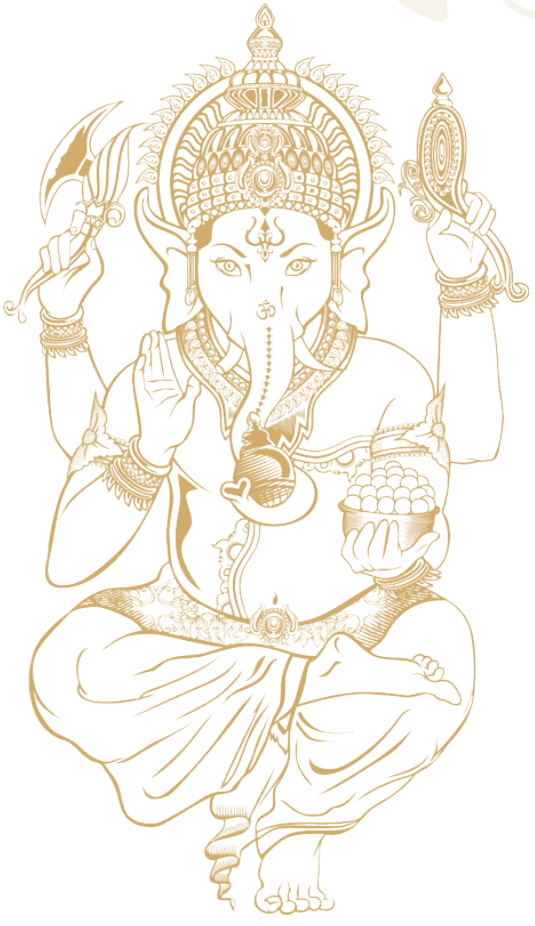

Anil Shingh

05 Jan 1985

06:35 AM

Delhi

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 121895407

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
4-05/01/1985	जन्म तिथि	**05/01/2026**
शुक्र-शनिवार	दिन	सोमवार
घंटे 06:35:00	जन्म समय	18:59:57 घंटे
घटी 58:20:16	जन्म समय(घटी)	29:22:14 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
उत्तर 28:39:00	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
पूर्व 77:13:00	रेखांश	77:13:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:14:53	सूर्योदय	07:15:03
17:38:10	सूर्यास्त	17:38:13
23:38:38	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:20

धनु	लग्न	कर्क
गुरु	लग्न लग्नाधिपति	चन्द्र
वृष	राशि	कर्क
शुक्र	राशि-स्वामी	चन्द्र
मृगशिरा	नक्षत्र	आश्लेषा
मंगल	नक्षत्र स्वामी	बुध
1	चरण	1
शुक्ल	योग	विष्कुम्भ
तैतिल	करण	वणिज
वे-वेद	जन्म नामाक्षर	डी-डिंपल
मकर	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर
वैश्य	वर्ण	विप्र
चतुष्पाद	वश्य	जलचर
सर्प	योनि	मार्जार
देव	गण	राक्षस
मध्य	नाड़ी	अन्त्य
मृग	वर्ग	श्वान
41	गत/तत्कालिक वर्ष	42

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ
मूल	4	10:22:28	धनु		
पूर्वाषाढ़ा	3	20:59:42	धनु		
मृगशिरा	1	25:54:44	वृष		
शतभिषा	3	14:35:06	कुंभ		
ज्येष्ठा	4	28:15:25	वृश्चि		
उत्तराषाढ़ा	1	28:45:15	धनु		अ
शतभिषा	1	07:13:11	कुंभ		
विशाखा	4	01:27:47	वृश्चि		
कृतिका	2	02:55:54	वृष	व	
विशाखा	4	02:55:54	वृश्चि	व	
ज्येष्ठा	2	21:56:57	वृश्चि		

वर्ष - विवरण

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
लग्न			कर्क	09:23:22	2	पुष्य
सूर्य			धनु	20:59:42	3	पूर्वाषाढ़ा
चंद्र			कर्क	19:57:38	1	आश्लेषा
मंगल		अ	धनु	21:58:10	3	पूर्वाषाढ़ा
बुध			धनु	11:27:04	4	मूल
गुरु	व		मिथु	26:31:54	2	पुनर्वसु
शुक्र		अ	धनु	20:43:30	3	पूर्वाषाढ़ा
शनि			मीन	02:13:37	4	पू०भाद्रपद
राहु	व		कुंभ	16:07:10	3	शतभिषा
केतु	व		सिंह	16:07:10	1	पू०फाल्गुनी
मु			वृष	10:22:28	1	रोहिणी

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:20

लग्न-चलित

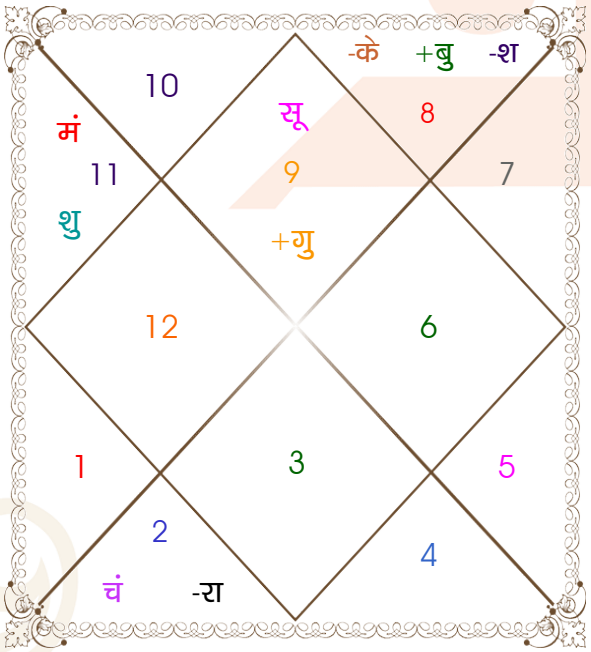

वर्ष लग्न कुंडली

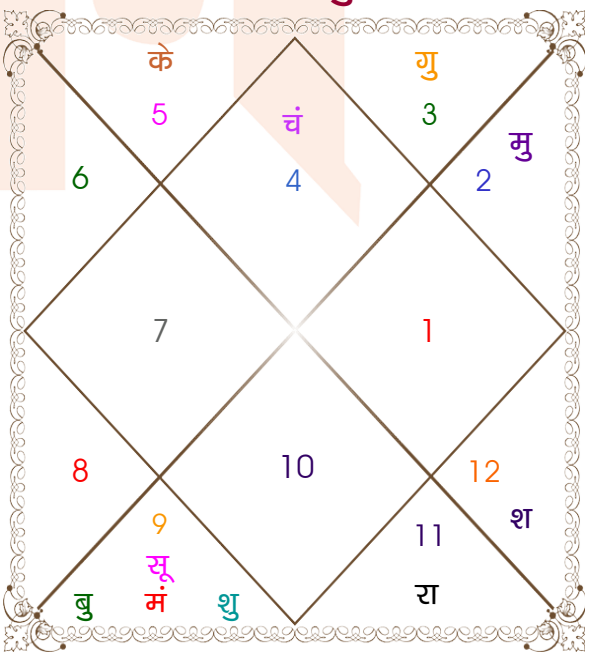

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

शनि - शनि - सूर्य		शनि - शनि - चंद्र		शनि - शनि - मंगल		शनि - शनि - राहु	
28/03/2026 21:30		22/05/2026 20:03		22/08/2026 09:39		25/10/2026 11:57	
22/05/2026 20:03		22/08/2026 09:39		25/10/2026 11:57		08/04/2027 07:37	
सूर्य	31/03/2026 15:26	चंद्र	30/05/2026 11:11	मंगल	26/08/2026 03:23	राहु	19/11/2026 05:18
चंद्र	05/04/2026 05:19	मंगल	04/06/2026 19:23	राहु	04/09/2026 18:08	गुरु	11/12/2026 04:43
मंगल	08/04/2026 10:14	राहु	18/06/2026 13:01	गुरु	13/09/2026 07:14	शनि	06/01/2027 07:02
राहु	16/04/2026 16:01	गुरु	30/06/2026 18:02	शनि	23/09/2026 10:48	बुध	29/01/2027 15:25
गुरु	23/04/2026 23:49	शनि	15/07/2026 05:59	बुध	02/10/2026 12:44	केतु	08/02/2027 06:10
शनि	02/05/2026 16:35	बुध	28/07/2026 05:18	केतु	06/10/2026 06:28	शुक्र	07/03/2027 17:27
बुध	10/05/2026 11:23	केतु	02/08/2026 13:30	शुक्र	16/10/2026 22:51	सूर्य	15/03/2027 23:14
केतु	13/05/2026 16:18	शुक्र	17/08/2026 19:46	सूर्य	20/10/2026 03:46	चंद्र	29/03/2027 16:52
शुक्र	22/05/2026 20:03	सूर्य	22/08/2026 09:39	चंद्र	25/10/2026 11:57	मंगल	08/04/2027 07:37

शनि - शनि - गुरु		शनि - बुध - बुध		शनि - बुध - केतु		शनि - बुध - शुक्र	
08/04/2027 07:37		01/09/2027 19:45		19/01/2028 02:24		16/03/2028 10:47	
01/09/2027 19:45		19/01/2028 02:24		16/03/2028 10:47		27/08/2028 07:18	
गुरु	27/04/2027 20:26	बुध	21/09/2027 13:18	केतु	22/01/2028 10:41	शुक्र	12/04/2028 18:12
शनि	21/05/2027 01:09	केतु	29/09/2027 16:17	शुक्र	01/02/2028 00:05	सूर्य	20/04/2028 22:50
बुध	10/06/2027 19:16	शुक्र	22/10/2027 21:23	सूर्य	03/02/2028 20:54	चंद्र	04/05/2028 14:32
केतु	19/06/2027 08:23	सूर्य	29/10/2027 20:31	चंद्र	08/02/2028 15:36	मंगल	14/05/2028 03:56
शुक्र	13/07/2027 18:24	चंद्र	10/11/2027 11:05	मंगल	11/02/2028 23:54	राहु	07/06/2028 17:49
सूर्य	21/07/2027 02:13	मंगल	18/11/2027 14:04	राहु	20/02/2028 14:21	गुरु	29/06/2028 14:09
चंद्र	02/08/2027 07:13	राहु	09/12/2027 11:28	गुरु	28/02/2028 05:52	शनि	25/07/2028 12:48
मंगल	10/08/2027 20:20	गुरु	28/12/2027 01:09	शनि	08/03/2028 07:48	बुध	17/08/2028 17:55
राहु	01/09/2027 19:45	शनि	19/01/2028 02:24	बुध	16/03/2028 10:47	केतु	27/08/2028 07:18

शनि - बुध - सूर्य		शनि - बुध - चंद्र		शनि - बुध - मंगल		शनि - बुध - राहु	
27/08/2028 07:18		15/10/2028 11:04		05/01/2029 09:20		03/03/2029 17:43	
15/10/2028 11:04		05/01/2029 09:20		03/03/2029 17:43		29/07/2029 04:59	
सूर्य	29/08/2028 18:18	चंद्र	22/10/2028 06:55	मंगल	08/01/2029 17:37	राहु	25/03/2029 20:36
चंद्र	02/09/2028 20:36	मंगल	27/10/2028 01:37	राहु	17/01/2029 08:04	गुरु	14/04/2029 12:30
मंगल	05/09/2028 17:26	राहु	08/11/2028 08:33	गुरु	24/01/2029 23:36	शनि	07/05/2029 20:53
राहु	13/09/2028 02:23	गुरु	19/11/2028 06:44	शनि	03/02/2029 01:31	बुध	28/05/2029 18:17
गुरु	19/09/2028 15:42	शनि	02/12/2028 06:03	बुध	11/02/2029 04:30	केतु	06/06/2029 08:45
शनि	27/09/2028 10:29	बुध	13/12/2028 20:36	केतु	14/02/2029 12:48	शुक्र	30/06/2029 22:37
बुध	04/10/2028 09:37	केतु	18/12/2028 15:18	शुक्र	24/02/2029 02:12	सूर्य	08/07/2029 07:35
केतु	07/10/2028 06:26	शुक्र	01/01/2029 07:01	सूर्य	26/02/2029 23:01	चंद्र	20/07/2029 14:32
शुक्र	15/10/2028 11:04	सूर्य	05/01/2029 09:20	चंद्र	03/03/2029 17:43	मंगल	29/07/2029 04:59

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे तथा इनमें आपको इच्छित सफलताएं भी प्राप्त होंगी। मानसिक रूप से भी इस समय आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा मन में शान्ति बनी रहेगी। विभिन्न शास्त्रों को ज्ञानार्जन में इस समय आपकी रूचि रहेगी तथा परिश्रम पूर्वक इनका ज्ञान प्राप्त करेंगे। साथ ही रत्न आदि की भी प्राप्ति होगी एवं मिष्ठान्न भोजन के प्रति विशेष रूचि रहेगी । इस समय आप सर्व भौतिक सुख संसाधनों को अर्जित करेंगे तथा आनन्द पूर्वक उनका उपभोग करेंगे। इस वर्ष में आपके प्रताप तथा प्रभाव में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे। साथ ही शत्रु पक्ष को पराजित करने में भी आप समर्थ रहेंगे तथा वे आपसे भयभीत रहेंगे। स्त्री पक्ष से इस समय आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा समयानुसार लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे। इस समय आपकी समाजिक मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा दूर दूर तक आपका यश भी व्याप्त होगा।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति की दृष्टि से यह वर्ष शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा। इस समय व्यापार में आपकी उन्नति तथा विस्तार होगा तथा सर्वत्र लाभ एवं सफलता के मार्ग प्रशस्त रहेंगे। नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में भी इस समय आपको इच्छित उन्नति प्राप्त होगी। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग या नेताओं से भी आपके मधुर संबंध रहेंगे तथा उनसे यथोचित लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा। खेल के क्षेत्र में भी इस समय आप इच्छित सफलता प्राप्त कर सकते है। आर्थिक स्थिति भी आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। अतः सुख एवं आनन्दपूर्वक आपका यह वर्ष व्यतीत होगा।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य उतम रहेगा तथा मन में भी शान्ति एवं सन्तुष्टि विद्य मान रहेगी तथा आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न होंगे। इस समय आपके सौभाग्य में वृद्धि होगी तथा विगत रूके हुए कार्य सफल होंगे। साथ ही समस्त आशाएं एवं संकल्प भी पूर्ण होंगे तथा कोई भाग्योदय संबधी महत्वपूर्ण कार्य भी सम्पन्न होगा । भौतिक सुख संसाधनों को प्राप्त करने में आप सफल रहेंगे तथा प्रसन्नता पूर्वक इनका उपभोग करेंगे। इस समय आपके महिला मित्रों की संख्या में भी वृद्धि होगी तथा संतति प्राप्ति की भी संभावना रहेगी एवं उनसे आप पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त आपको वांछित द्रव्य पदार्थों की भी प्राप्ति होगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए भी वर्ष शुभ एवं अनुकूल रहेगा तथा उन्नति के मार्ग प्रशस्त रहेंगे। इस समय सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आपको पूर्ण लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा आपसे वे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।अतः नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में पदोन्नति की संभावना बनेगी साथ ही मित्र वर्ग से भी लाभार्जन होगा ।इस वर्ष अध्ययन या ज्ञानार्जन में भी आपकी रूचि रहेगी तथा किसी विशिष्ट परीक्षा आदि में उतीर्ण होंगे तथा संबधियों एवं मित्र वर्ग के मध्य आपके मान सम्मान में वृद्धि होगी एवं वे सभी लोग आपको पूर्ण स्नेह तथा सम्मान प्रदान करेंगे। राजनीति के क्षेत्र में उन्नति के लिए यह वर्ष उत्तम रहेगा। अतः इस समय आपको इस क्षेत्र में सक्रिय रहकर समय का सदुपयोग करना चाहिए। इससे आपके भविष्य में काफी उन्नति तथा परिवर्तन आ सकते हैं। अतः यत्नशील रहें।